PAULINE
पैग़ाम
2023-2024
G20
भारत 2023 INDIA
प्रेम प्रार्थना परिश्रम
सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज
Welcome
Annual Sports' Day 2023

प्रधानाचार्य की कलम से

प्रिय शुभचिंतक

"प्रेम प्रार्थना और परिश्रम", सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज, आगरा का आदर्श वाक्य है। इन मूल्यों के आधार पर अपने छात्रों को शिक्षा प्रदान करना हमारा सुखद प्रयास रहा है। शिक्षा, न केवल व्यक्तियों को मूल्यों पर आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है बल्कि उनके तर्कसंगत विचारों को भी विकसित करती है। स्कूली शिक्षा की इस अवधी में, बच्चे अपने सहपाठियों एवं शिक्षकों के साथ अपने जीवन के अनुभवों के माध्यम से सहानुभूति, करूणा, साहस और दृढ़ता के मूल्यों की सराहना करना और उन्हें आत्मसात करना सीखते हैं। एक दूसरे की ख्याल करने से वे प्रभावशाली सामुदायिक प्राणी बनते हैं।

इतना कहने के बाद, मुझे आपके सामने "पॉलीन पैगाम" का नया संस्करण, 2023-24 प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। जैसे - जैसे आप इस पत्रिका के लेखों को पढ़ेंगे, आपको एहसास होगा कि आपके बच्चे कितने रचनात्मक हैं। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि कृपया इस पत्रिका के प्रत्येक लेख को पढ़ें और उनके लेखन कौशल ओर कल्पनाशीलता की सराहना करें। रंगीन तस्वीरें आपके बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूल द्वारा वर्ष भर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की विविधता का प्रमाण हैं। शारीरिक विकास मानसिक कुशाग्रता एवं आपसी सहयोग का अनुशासित प्रशिक्षण प्रदान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्यालय की यह वार्षिक पत्रिका, "पॉलीन पैगाम" आपको समृद्धी व मनोरंजन प्रदान करेगी।

ईश्वर से आपके लिए आर्शीवाद की कामना करता हूँ।

फादर सजी पालमट्टम
प्रधानाचार्य

From the Desk of the Head Mistress

Education is a powerful tool, and our commitment to nurturing young minds goes beyond text books and examinations. Our mission is to mould not just scholars but well- rounded individuals who contribute, meaningfully to society. In this pursuit, our dedicated team of educators strives to create a dynamic learning environment that fosters curiosity, critical thinking and a passion for lifelong learning.

Through active participation in the various co-curricular and extracurricular activities their experiences contribute significantly to personal growth, fostering team work, leadership and a sense of community. Wishing Success and blessings.

Sr. Amali Gracy
(Head Mistress)

Manager's Message

I have immense joy as I pen down these few lines for the school magazine, 'Pauline Paigam'. The new edition of the magazine is more colourful and pregnant with creative articles and photos. As the Manager of the school, I have been closely monitoring the efforts of the staff and the students of the school to prepare their students for the modern world. The school gives importance not only to the academic excellence but also to the physical fitness and character formation of its students.

Majority of the students of St. Paul's Inter College hail from the middle class families of Agra, yet their performance in academics and extra-curricular activities say a totally different story. I want to make a special mention about the energy, creativity and harmony the students show whenever they perform any group activity, is outstanding. I congratulate the Principal, staff and the students for their unstinting efforts in developing a culture of growth and excellence along with mutual care.

The National Education Policy (NEP-2020) enumerates 'Four Pillars of Learning' and they are:

1. Learning to Know, 2. Learning to Do, 3. Learning to Be and 4. Learning to Live Together. I desire and appeal that the staff of St. Paul's Inter College to keep these points in mind while imparting knowledge and the students consider these pillars of learning while seeking to learn.

While congratulating the editorial board for the successful release of this book, I wish every success to the school community and a pleasant reading to all the readers of 'Pauline Paigam-2024'.

May God bless you all!

Fr. Baskar Jesuraj Maria
Manager

First Batch of Nursery

(Left to Right): Yuvraj singh,Kushal kumar, Yashvardan,Evansh, Mayank, Hasan, Siddhant, Mrs. Vineeta (Class Teacher) Fr. Saji P. A., (Principal) Rohan, Yashpal, Nirbhay, Mizzan uddin, Iyuk sharma, Shourya, Arav thakur

College Staff

1st Row Sitting (Left to Right): Mrs. Vibha Sharma, Mrs. Niharika Asthana, Ms. Mary Parveen, Mrs. Jyoti Luthra, Mr. Vishal Jain, Sr. Maria Goretti, Fr. Saji P.A. (Principal) Mr. N.K. Sharma, Mrs. Meenu Rathore, Mrs. Meenu D. Lazarus, Mrs. Aarti Pahuja, Mrs. Sangeeta Robert

2nd Row : Mrs. Monika Sharma, Mrs. Vineeta, Mrs. Arti Sharma, Mrs. Kavita Hoshay, Mrs. Preeti Richard Romanus, Mrs. Minni Mehra, Mrs. Parul Sharma, Mrs. Chanchal Upadhyay, Mrs. Neha Khanna, Mrs. Poonam Verma, Ms. Rekha Pal

3rd Row : Mr. Akhil Ahmed, Mr. Kashif Uddin, Ms. Kaynat Mirza, Mrs. Shilpi Jain, Ms. Jackline Xavier, Mrs. Mamta Kanoujiya, Ms. Shipra Gupta, Mrs. Nisha Ghutey Ms. Sumiti Satsangi

4th Row Standing: Mr. Peter Herald, Mr. Salim Khan, Mr. Gregory Greenwood, Mr. Austin Anand Singh, Mr. Vinod Swarup, Mr. Derick Peter Paul, Mr. Amit Verma

Editorial Team

(Left to Right): Mr. Kashif Uddin, Mr. Vinod Swarup, Sr. Amali Gracy, (Headmistress), Fr. Saji P. A. (Principal), Ms. Chanchal Upadhyay, Mrs. Parul Sharm & Ms. Jackline Xavier

ST. FRANCIS HOUSE
ST. JOSEPH HOUSE
HEADBOY

77 TH

77 TH

25

Linus Lazarus Football Tournament Season-2

Congratulations!

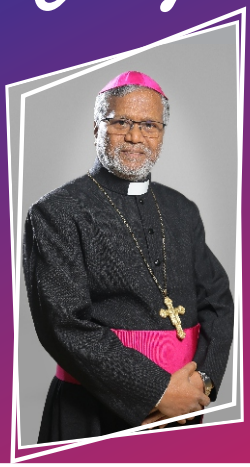

To our beloved

Manager, Bishop-elect

Msgr. Baskar Jesuraj

God Bless You!

From : St. Paul's Inter College Family

Annual Sports Meet

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Hearty Welcome to you All for the Annual Sports' Day

विश्वगुरु भारत

सम्पादकीय

समय परिवर्तन की एक मुख्य संधि – बेलका है 'वर्तमानकाल' हर क्षेत्र में तीव्र गति से होने वाले कौतुहल इसकी पुष्टि करते हैं। आज का वक्त सभ्यता व संस्कृति के संक्रमण से युक्त होने का समय है।

कल्याणकारी संस्कार नैतिक, आचार – व्यवहार, जीवन – मूल्यो के साथ तथा काम, क्रोध, मद, लोभ, मात्सर्य, मिथ्याभिमान, हिंसा, परोत्कर्ष – पीड़ा, अधर्म आदि के विभिन्न स्वरूपों से परे छात्रों की वर्ष भर की प्रतिभाओं से ओत – प्रोत 'पॉलिन – पैगाम' के उद्देश्य का यहअंक आपके मुखरित व पल्लवित करते हुए अति हृदयानन्दित हो रहा है।विधेयात्मक चिन्तन अति कठिन है, परन्तु असम्भव तो कुछ भी नहीं होता है।

श्री अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' जी ने कहा है कि

"देखकर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं,

रह भरोसे भाग्य के, दुख भोग पछताते नहीं।।"

इसी घ्येय के साथ हमारा विद्यालय अपने उत्तरदात्यिव को निभाते हुए, हर दिन, हर पल, वर्ष – भर नई – नई नीतियों – नियमों के साथ छात्रों के पुर्नसमायोजन के लिए तत्पर रहा है।

मोक्षदायिनी ज्ञान की अमृत – रूपी बूँदों को छात्रों के हृदय – मण्डल में प्रवेश कर उनके दुर्भाग्य को प्रखर सौभाग्य में बदलने के साथ – साथ नव–कल्पना, नवधारणा, नवीन – शक्ति, नूतन – चेतना, नवल – उत्साह, अभिनव का उल्लास जाग्रत करने के लिए सत्र् 2023 – 2024 में अनथक प्रयासों से अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, मेला, खेलकूद, संगोष्ठी व अन्तवर्गीय प्रतियोगिताओं को विद्यालय में आयोजित किया गया।

इन सभी कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों में न केवल अविवेक का उन्मूलन किया गया बल्कि सद्भावनाओं, सत्यप्रवृत्तियों का भी अभिवर्द्धन किया गया। जिससे छात्रों में पराक्रम का ऐसा समावेश हो कि वह समय–सर्प की गति व दिशा को अपने लक्ष्य अथवा उद्देश्य के अनुरूप मोड़कर उसे विषहीन कर सकें। विपरीत से विपरीत परिस्थितियाँ भी उन्हें चोटिल न कर सकें। क्योकि प्रत्येक बच्चा किसी भी परिस्थितियों का सेवक नहीं बल्कि सभी परिस्थितियों का स्वयं के कर्मानुसार निर्माता, नियन्त्रणकर्ता व उत्तरदायी बनने की अद्भुत ऊर्जा – शक्ति रखता है। बस इसके लिए एक मात्र ध्येय जागृत करना चाहिए।

"मनः स्थिति को इतना सुदृढ़ बना ले कि हर परिस्थितियाँ उसकी गुलाम होकर, उसके ही अनुरूप ढल जाएँ।"

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रद्धेय फादर सजी पालामट्टम जी के कांक्षित लक्ष्य प्राप्ति संकल्प, बल, विवेक, रचनात्मक, कलात्मक क्रिया – शीलता व उत्कृष्ट मार्ग – दर्शन व प्रबन्ध से विद्यालय ने छात्रों की अंश्चेतना पुलकित – जागृत कर जो प्रचण्ड आत्मशक्ति से अभिप्रेरित ज्ञान–गंगा बहाने के लिए विद्यालय परिवार इस 'पॉलिन – पैगाम पत्रिका' के माध्यम से आपका हृदयतल से आभार व्यक्त करता है।

विद्यालय प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी जी, शिक्षकों के अथक् प्रयासों व अभिभावकों के स्नेहीपूर्ण सहयोग के लिए सहर्ष धन्यवाद करता है।

कौवे जैसी चेष्टा, बगुले जैसा ध्यान,

श्वान जैसी निद्रा, कर खुद कर्म प्रधान।

बदलेगा युग, बदलेगा विधान,

कुछ करने का लो गर, प्रण मन में ठान।।

चंचल उपाध्याय (अध्यापिका)

मेरा अनुभव

मुझे अच्छा विद्यार्थी बनाने वाले महान विद्यालय, सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज में मैने कक्षा L.K.G से 12 तक शिक्षा प्राप्त की है–

भूल जायेंगे, तुझे कैसे

जहाँ गुजारे मैने चौदह साल

मेरा ये प्यारा सफर

अध्यापकों की डाँट व उनका प्यार

प्रधानचार्य का दुलार

विद्यालय प्रांगण में होने वाले कार्यक्रमों का उत्साह

चौदह साल का वो सफर

जो मिलकर किया था हमने .....

जब मैं इस विद्यालय में आया था तब मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं विद्यालय का Head Boy बनूँगा। मैंने विद्यालय को निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर होते हुए देखा, मैं अपने विद्यालय के प्रबन्धक जी, अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य जी, प्रधानाध्यापिका जी व अपने विद्यालय के समस्त शिक्षकगण को धन्यवाद देता हूँ।

आर्यन धनगर (Head Boy कक्षा–12 ए)

सत्र की झलकियाँ

1. नव सत्र शुभारम्भ (2023 – 2024)

समस्त विद्यालय के छात्रों में शिक्षा के प्रति जागरूक करने की दृष्टि, व नई शिक्षा – प्रणाली के साथ विद्यालय में दिनांक 03.04. 2023 को नव–सत्र का शुभारम्भ किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य व प्रधानाध्यापिका, समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।

2. विद्यारम्भ संस्कार (15.04.2023)

नई 'पौध – शाला' का आधार मजबूत करने के प्रयास से दिनांक 15 . 04 . 2023 को विद्यालय में अभिभावकों की उपस्थिति में L.K.G., U.K.G. के साथ – साथ नर्सरी कक्षा के छात्रों का हिन्दी व अंग्रेजी शब्दों के माध्यम से विद्यारम्भ संस्कार का आयोजन किया गया।

3. शिक्षकों का 25 वर्ष के कार्यकाल का बधाई समारोह (29.04.23)

विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक व अध्यापिकाओं श्री एन. के. शर्मा, श्रीमती मीनू राठौर, श्रीमती ज्योति लूथरा के नि:स्वार्थ सेवा प्रदान करने व विद्यालय के छात्रों को योग्य बनाने में 25 वर्ष महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए दिनांक 29.04.23 को मुख्य अतिथि सिस्टर लीना डॉरथी की उपस्थिति में स्मृति चिन्ह व उपहार भेंट कर बधाई समारोह का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया।

4. मजदूर दिवस (01.05.23)

विद्यालय के समस्त कर्मचारियों व कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और समर्पण व सहयोग करने के लिए, सराहना स्वरूप उनके महत्व को समझाने के प्रयास करने के उद्देश्य से विद्यालय में दिनांक 01.05.23 को कर्मचारी बधाई समारोह का आयोजन किया गया।

5. प्रबन्धक महोदय जी का विदाई समारोह (06.07.23)

दिनांक 06.07.2023 को विद्यालय के प्रबन्धक महोदय श्रद्धेय फादर एण्ड्रयू कोरिया जी के विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

6. छात्र परिषद चुनाव (10.7.23)

विद्यालय की शासन व्यवस्था को अनुकूल बनाने व छात्रों को शिष्टाचार व नैतिक मूल्यों को समझाने के लिए अनुशासन अति महत्वपूर्ण है। इस कार्य हेतु 'छात्र परिषद' संगठन परमावश्यक है। इसी तथ्य को संज्ञान में रखते हुए, 'छात्र-परिषद' का दिनांक 10.7.23 में सीनियर व जूनियर के छात्रों का तथा दिनांक 14.7.23 को प्राइमरी वर्ग के छात्रों का प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापिका व समस्त शिक्षकगण की उपस्थिति में चुनाव सम्पन्न कराया गया।

7. शिक्षक सेगोष्ठी (15.7.23)

दिनांक 15.07.2023 को विद्यालय में आदरणीय रजनी नोटियाल मैम के नेतृत्व में एक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों की अन्तर्निहित प्रतिभाओं को निखारना था।

8. तत्क्षण प्रतियोगिता (17.7.23)

छात्रों के बौद्धिक विकास को निखारने के लिए दिनांक 17.7.23 को तत्क्षण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मण्डल श्रद्धेय फादर सजी पालामट्टम जी, श्री विनोद व श्री पीटर आदि अध्यापकों की उपस्थिति में छात्रों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुति द्वारा सभी को बहुत प्रभावित किया।

9. जूनियर वर्ग कला व हस्त कला प्रतियोगिता (21.7.23)

छात्रों की अर्न्तमुखी प्रतिभा को निखारने, देश के सभी धर्मो के त्योहारों को, उनके महत्व को चित्ररेखा और हस्तकला के माध्यम से समझाने के उद्देश्य से विद्यालय में दिनांक 21.8.23 को जूनियर वर्ग के छात्रों के मध्य कला व हस्तकला की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

10. छात्र - परिषद शपथ ग्रहण समारोह (31.7.23)

छात्र - परिषद चुनाव के उपरान्त समस्त चुने गये प्रतिभागियों को अपने - अपने पद पर कार्यरत रहने, कार्यभार उठाने तथा अपने कर्तव्यों को भली - भाँति निभाने के उद्देश्य से छात्र परिषद का गठन किया गया। छात्रों को अभिभावकों व शिक्षकों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि फा. भास्कर व विद्यालय के प्रधानाचार्य ने शपथ ग्रहण कराकर ध्वज, बैच व पद चिन्ह पहनाकर छात्रों को कार्यभार सौंपा गया।

11. पूर्व प्राथमिक बहुरूपीय पोशाक प्रतियोगिता (1.8.23)

नन्हें - मुन्ने छात्रों को अपने देश की संस्कृति से जोड़ते हुए विभिन्न स्वरूपों से अलंकृत कर स्मृतिशाला में पिरोने हेतु प्राइमरी वर्ग से नर्सरी, L.K.G., U.K.G. पहली, दूसरी व तीसरी कक्षा के मध्य 'बहुरूपीय पोशाक' प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।

12. कविता पाठ प्रतियोगिता (03.8.23)

छात्रों की ध्वनि स्पष्टता व आत्मविश्वास को उचित आयाम देने के उद्देश्य से विद्यालय में निर्णायक मण्डल श्री विनोद व श्री ऑस्टिन सर की उपस्थिति में कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। सभी छात्रों ने अपनी मधुर ध्वनि द्वारा सबको मोहित किया।

13. स्वतन्त्रता दिवस समारोह (15.8.23)

आजादी के इस शुभावसर पर देश के प्रति भक्ति - भाव को शब्द - स्वरों के माध्यम से देश भक्ति गीत व नृत्य का आयोजन किया गया तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य जी द्वारा समस्त शिक्षकगण, कर्मचारीगवर्ग व छात्रों की उपस्थिति में ध्वजारोहण कर शहीदों के बलिदानों को याद कर तिरंगे को सलामी दी गई।

14. रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता (28.8.23)

छात्रों के सुलेख को आकर्षित, सुन्दर रूप व आकार देने के उद्देश्य से विद्यालय में रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने अपनी लेखनी द्वारा सबको हर्षित किया।

15. शिक्षक दिवस समारोह (05.9.23)

'गुरू बिन ज्ञान कहाँ से आता? भव सागर में डूब मैं जाता।'

सभी छात्रों के जीवन में गुरू का क्या महत्व होता है? इस बात को समझाने कि गुरू ही परमब्रह्मा, ईश्वर व भाग्य सँवारने वाला है तथा समस्त शिक्षकों के नि:स्वार्थ समर्पण और योगदान के लिए आभार प्रकट कर, सभी को सम्मानित करने की दृष्टि से छात्रो द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

16. वाद - विवाद प्रतियोगिता (23.9.23)

छात्रों के बौद्धिक विकास को तीव्रता प्रदान करने, तर्क शक्ति - सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि व निर्णायक मण्डल श्रद्धेय फादर शाजी जोसेफ, श्रद्धेय फादर डोमिनिक जॉर्ज और श्रीमती अर्पिता चटर्जी की उपस्थिति में जूनियर व सीनियर कक्षा के छात्रों ने अपनी आश्चर्यजनक तर्क शक्ति द्वारा समस्त श्रोतागण को आनन्दित किया।

17. क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता (02.10.23)

छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने के प्रयास हेतु व व्यायाम के महत्व को समझाने के दृष्टिकोण से शिक्षकों की देखरेख व प्रधानाचार्य के निरीक्षण में क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्रों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया तथा अपनी-अपनी शारीरिक क्षमता का जोश व स्फूर्ति के साथ प्रदर्शन दिया।

18. अर्द्धवार्षिक परीक्षा (03.10.23)

छात्रों का आई. क्यू. स्तर मौखिक, लिखित रूप से किस दर तक स्थित है तथा कितना ज्ञान अर्जित किया, इसका निरीक्षण करने हेतु छः महीने के उपरान्त विद्यालय में अर्द्धवार्षिक परीक्षा करायी गई।

19. लीनुस लाज़रस फुटबॉल टूर्नामेंट (20.10.23)

छात्रों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने उनके आत्मबल, ऊर्जा - शक्ति विकसित करने व देश को अच्छा खिलाड़ी प्रदान करने की अभिलाषा के साथ इण्टर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया इसमें टूण्डला, फिरोजाबाद व आगरा के 13 विद्यालयों की टीम ने भाग लिया तथा इस टूर्नामेंट का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय केशव कुमार चौधरी (आई.पी.एस. एडीशनल कमीशनर ऑफ पुलिस) आगरा व प्रधानाचार्य के चरण-कमलों द्वारा किया गया। यह टूर्नामेंट दिनांक 20.10.23 से प्रारम्भ होकर 22.10.23 तक हुआ। फाइनल मैच सेण्ट पीटर्स, आगरा व सेण्ट क्लियर्स, आगरा कैन्ट के मध्य बहुत ही रोमांचक रूप से खेला गया। जिसमें सेण्ट पीटर्स कॉलेज, आगरा की टीम विजयी रही। मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह (प्रधानाचार्य सेण्ट जॉन्स कॉलेज, आगरा) ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया।

20. रेन्बो इण्टर स्कूल प्रतियोगिता (28.10.23)

सेण्ट पीटर्स कॉलेज, आगरा में रेन्बो प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। जिसमें सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज के साथ-साथ 14 अन्य विद्यालयों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी प्रतिभागी टीम में से 'सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज' के होनहार प्रतिभागियों ने समूह-नृत्य में इस बार भी प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित कर विजय पताका लहरायी।

21. एकल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता (6.11.23)

छात्रों के भीतर छिपी कलाओं को व्यक्त करने तथा उनको 'डर के आगे जीत का' एहसास भरने तथा हौंसले बुलंद करने के लिए 'एकल प्रतिभा' की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी छात्रों ने भिन्न-भिन्न रूप, आकृति से अपनी-अपनी कला को आश्यर्चजनक एवं अद्भुत रूप से प्रदर्शित किया। जोकि बहुत ही सराहनीय रही।

22. अर्न्तविद्यालयी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (9.11.23)

सेण्ट पॉल्स विद्यालय में बौद्धिक परीक्षण करने व छात्रों की दक्षता को निखारने के उद्देश्य से दिनांक 09.11.23 को मुख्य अतिथि श्रद्धेय फादर शाजी जोसेफ द्वारा इसका आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता में सात विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। सभी उपस्थित छात्रों ने बहुत ही रोचकतामय रूप से प्रश्नों के उत्तर चतुराई से देकर अपनी बौद्धिक शक्ति को सराहनीय रूप से प्रदर्शित किया।

23. वार्षिक खेलकूद समारोह (01.12.23)

विद्यालय में वार्षिक खेल - कूद प्रतियोगिता का आयोजन बहुत ही भव्य रूप से कराया गया। इसमें छात्रों के विभिन्न प्रकार से सम्बन्धित खेलों की प्रतियोगिता का प्रदर्शन कराया गया।

साथ ही सांस्कृतिक क्रियाकलापों को भी प्रस्तुत किया गया। इसमें सभी प्राइमरी, जूनियर व सीनियर वर्ग के छात्रों ने बड़े उत्साह, जोश, लगन, मेहनत के साथ भाग लिया तथा अचम्भित करने वाले खेलों का प्रदर्शन कर इस दिन को रोमांचक व यादगार बनाया।

इसमें विजेता छात्रों को मुख्य अतिथि अति श्रद्धेय बिशप राफी मंजरी, श्रद्धेय फादर भास्कर जेसुराज व श्रद्धेय सिस्टर पाशा तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा प्रगति पत्र व मैडल प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया।

24. क्रिसमस महोत्सव (21.12.23)

प्रभु ईसा के जन्मोत्सव पर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देते हुए प्रभु ईसा के जन्म का नाट्य रूपान्तरण, मंगल गीत व नृत्य के साथ बहुत ही हर्षोल्लास पूर्वक क्रिसमस का भव्य आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य व समस्त शिक्षकगण तथा कर्मचारी वर्ग द्वारा मंगल कामलनाएँ करते हुए एक-दूसरे को स्नेहयुक्त उपहार भेंट किए।

25. अन्तर्राज्यी खेल-कूद प्रतियोगिता

दिनांक 06.01.24 को 10वाँ अन्तर्राज्यीय खेल-कूद प्रतियोगिता का एकलव्य स्पोटर्स स्टेडियम पर आयोजित हुआ। जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व महाराष्ट्र आदि प्रदेशों से 19 क्रिकेट व फुटबॉल टीमों ने बहुत उत्साह व जोश के साथ भाग लिया। जिसमें **सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज,आगरा** ने क्रिकेट में **प्रथम स्थान** व

फुटबाल में **तीसरा स्थान** प्राप्त करके आगरा व अपने विद्यालय को गौरवान्वित किया।

26. गणतन्त्र दिवस समारोह (26.01.2024)

75वाँ गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानाचार्य द्वारा प्रधानाध्यापिका, समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी वर्ग व छात्रों की उपस्थिति में विद्यालय में ध्वजारोहण किया गया। प्रधानाचार्य द्वारा इस पावन अवसर पर महत्वपूर्ण ज्ञानवर्धक बातों को सभी के समक्ष साझा किया गया। तत्पश्चात निष्कलंक माता महागिरजाघर के प्रांगण में समस्त कैथलिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापिका, समस्त शिक्षकगण, अभिभावक व छात्रों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि अति श्रद्धेय बिशप राफी मंजरी द्वारा प्रेरणादायक शब्दों के माध्यम से ज्ञानवर्धक बातों को आत्मसात किया गया। सभी विद्यालय के छात्रों ने बहुत ही ध्यानपूर्वक निर्देशानुसार अपने कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया। जो सभी दर्शकों द्वारा सराहनीय रहा।

27. फादर भास्कर जेसुराज विदाई समारोह - (13.02.24)

हमारे विद्यालय के प्रबन्धक श्रद्धेय फादर भास्कर जेसुराज जी, जो वर्तमान समय में सेण्ट पीटर्स इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य हैं। प्रभु ईशा की इच्छा व स्वयं के सत्कर्मो व ज्ञान-गंगा से ओत-प्रोत होने के कारण मेरठ प्रान्त के धर्माध्यक्ष (बिश्प स्वामी जी) के पद पर नियुक्त किया गया है। इस सुअवसर पर सेण्ट पॉल्स विद्यालय द्वारा आपके भविष्य की मंगलकामना करते हुए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा श्रद्धेय फादर भास्कर जेसुराज (प्रबन्धक) को पूरे विद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएँ व उपहार भेंट कर सम्मनित किया गया तथा प्रबन्धक श्रद्धेय फादर भास्कर जेसुराज जी द्वारा अनमोल वचनों से समस्त छात्रों को ज्ञान-माला प्रदान की गयी।

28. प्रधानाचार्य श्रद्धेय फादर सजी पालामट्टम जी का जन्मोत्सव समारोह (17.02.2024)

विद्यालय को सुचारू और उन्नति के पथ पर सर्वोच्च स्थान प्रदान करने, सर्वश्रेष्ठ भार वहन करने, कार्यो को सुरूचि पूर्ण तरीके से बिना हिंसा समाधान करने, शिक्षकगण, कर्मचारी वर्ग अथवा विद्यार्थी में परस्पर सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम, चहू ओर और हर क्षेत्र हर कला में पारंगत विद्यालय के पूज्यनीय, सम्माननीय प्रधानाचार्य फादर सजी पालामट्टम जी का आभार व्यक्त करने के लिए दिनांक 17.02.2024 को सहर्ष जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। मंगलगीत, नृत्य व अन्य रंगारंग मन भावन कार्यक्रमों की प्रस्तुति द्वारा आपके उज्जवल भविष्य की कामना व बधाइयों के साथ मनाया गया। प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी जी के निर्देशन से कार्य सम्पूर्ण हुआ।

29. कक्षा 12वीं के छात्रों का विदाई समारोह (17.02.24)

उन्नति के पथ पर अग्रसर होने वाले कक्षा 12वीं के छात्रों की परीक्षा के लिए सभी धर्मो के पाठ द्वारा प्रभु कृपा प्राप्ति, अच्छी स्मरण शक्ति व अच्छे स्वास्थ्य की कामनाएँ करने हेतु दिनांक 17.02.24 को विद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में कक्षा 11 वीं के छात्रों द्वारा अपने कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए मन भावन रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी गई। साथ ही 12वीं के समस्त छात्रों ने अपनी - अपनी भावनाओं को सभी के मध्य साझा किया। कक्षा 11 वीं के शिक्षकों के निर्देशन में यह कार्य सम्पन्न कराया गया।

30. साप्ताहिक विशेष प्रार्थना

भारत देश ही एक ऐसा देश है जिसमें विभिन्न धर्म, जाति, समुदाय, समाज के लोग एक-साथ रहकर मतभेद भूलकर एकता का परचम लहराते हैं। उसी एकता की शक्ति को छात्रों के मन में जागृत करने तथा प्रत्येक धर्म के त्योहारों देश के महान व्यक्तियों से अवगत कराने के उद्देश्य से विद्यालय में कक्षा I से कक्षा XII तक के छात्रों द्वारा साप्ताहिक विशेष प्रार्थना का शुभारम्भ कराया गया। जो कि बहुत ही सराहनीय, मनोरंजन तथा ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

Students' Creativity

शिक्षक

माताएँ देती है जीवन,
पिता सुरक्षा करते है।
लेकिन सच्ची मानवता,
शिक्षक जीवन में भरते है।
सत्य न्याय के पथ पर चलना,
शिक्षक हमें बताते है।
जीवन संघर्षो से लड़ना शिक्षक हमें सिखाते है।
शिक्षक ईश्वर से बढकर हैं
यह कबीर बतलाते है।
क्योंकि शिक्षक ही भक्तों को ईश्वर तक पहुँचाते है।
जीवन में कुछ पाना है तो शिक्षक का सम्मान करो।
शीश झुकाकर श्रद्धा से तुम बच्चो उन्हें प्रणाम करो।

अब्दुल साद (1-अ)

सबकी दुनिया एक

धरती है हम सबकी एक
आसमान हम सबका एक
सूरज है हम सबका एक

चंदा है हम सबका एक
पानी है हम सबका एक
और पवन हम सबकी एक
है दुनिया में लोग अनेक
लेकिन सबकी दुनिया एक

राघव (I-A)

वृक्ष लगाओ भैया

वृक्ष लगाओ भैया, वृक्ष लगाओ
भाँति-भाँति के वृक्ष लगाओ
वृक्षो से हरियाली होगी
लगेगी धरती प्यारी
फूल खिलेगे, सुन्दर-सुन्दर
सजेगी भूमि सारी।
मधुर-मधुर फल हमको देगे
रोग सभी हर लेगे।
शक्ति और स्फूर्ति देकर
स्वस्थ हमें कर देगे।
दूषित वायु स्वयं पियेंगे
शुद्ध वायु हमको देगे
हमको अमृत देने के हित
विष को स्वयं पियेंगे
धूप से हमे बचायेंगे
देकर शीतल छाया
औषध देकर अंग-अंग से
स्वस्थ करेंगे काया।

जियान खान (I-A)

Money

Money can buy a Book not Brain.
Money can buy a Bed not Sleep.
Money can buy a Medicine not Health.
Money can buy a House not Home.
Money can buy a Temple not God.
Money can buy Cosmetics not Beauty.
Money can buy Luxuries not Culture.
Money can buy Amusement not Happiness.
Money can buy Goods not Good will.

Aryan Verma (IV - A)

हिन्दी कविता लेखन

शिक्षक दिवस (प्रथम पुरस्कार)

जीवन में जो राह दिखाए।
सही तरह चलना सिखाए,
माता-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।
सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्त्तव्यनिष्ठा जिससे,
कभी राह न दूर में जिससे,
वह पथदर्शक है जो,
मेरे मन को भाता,
वही मेरा शिक्षक कहलाता।

ध्रुव सविता (V-B Blue House)

शिक्षक दिवस (द्वितीय पुरस्कार)

आप देते हो हमें शिक्षा,
फिर लेते हो हमारी परीक्षा।
गलती करें तो हमें समझाते,
हम रोएँ तो हमें हँसाते।
माता ने दिया है जीवन दान,
आप बनाते इसे महान।
ज्ञान का दीपक जलाकर,
हमारी चमक बढ़ाते हो।
विद्या का जल हमें पिलाकर,
जीने का ढ़ग सिखाते हो।
इसलिए मैं कहता हूँ कि
जीवन में कुछ करना है तो,
शिक्षक का सम्मान करो,
शीश झुकाकर, आदर से तुम,
बच्चों इन्हें प्रणाम करो।

शिवम् शर्मा (V-B Yellow House)

शिक्षक दिवस (तृतीय पुरस्कार)

मेरी टीचर सबसे प्यारी,
हमको रोज पढ़ाती है,
साथ हमारे खेलती है,
वो हर पल मुस्कुराती है।
जब वो पढ़ाती है।

बहुत अच्छी वो लगती है,
नयी कोई बात बताती,
अच्छे से समझाती है।
तुमको अच्छा इन्सान है बनना
ऐसे वो बतलाती है
सदा बड़ो का आदर करना
हमेशा हमको सिखाती है।
मेरी टीचर सबसे प्यारी
हमको रोज पढ़ाती है।

प्रिन्स कुमार (IV-A Blue House)

विनती

विनती करते हैं भगवान
हम सब बालक हैं अनजान
तुमने सूरज – चाँद बनाया।
तुमने सारा जगत् रचाया।।
तुमने फूलों को महकाया।
तुमने तारों को चमकाया।।
तुमने पानी – पवन बहाया।
तुमने बादल को बरसाया।।
तुम जग के पालक भगवान।
हम पर दया करो भगवान।।

नैतिक यादव (VII-B)

पेड़

एक – एक यदि पेड़ लगायें,
पेड़ करोड़ों ही उग जायें।
धरती हरी – भरी हो जाये,
धरती रोगों को दूर भगाये।
काटे अनगिनत पेड़ मनुष्य ने,
लालच ने उसको उकसाया।
अच्छे सच्चे पेड़ मित्र हैं
इतना समझ वह नहीं पाया।
अरे कुल्हाड़ी को तुम रोको,
धरती नष्ट अब होती है।
जब – जब कोई पेड़ काटता है,
धरती माता रोती है।

हर्ष गुप्ता (VII-B)

तू सही है

सब जन कहेंगे तुझे गलत पर,
तू सही है याद रख,
बदलना चाहेंगे तुझे मगर,
तू नहीं बदलेगा याद रख।
जहाँ तुझे जाना है वो आकाश है,
ये मही है याद रख।
औरो का नहीं है, तुझ सा अंत: करण,
तेरे विचार नवीन हैं और तू प्रवीण है,
याद रख तेरे आगे सबकी शक्ति हीन है।
वर्चस्व अपना जग को दिखा
खोल पर, उड़ान भर,
यदि गिर पड़े तो यह हार नही,
हो खड़ा और यत्न कर,
जगा रह मत ले शयन,
मंज़िल की तरफ देख और आगे बढ़,
खोल अपने ये नयन,
मत बैठ हाथ पर हाथ रख,
अंत जब समीप होगा तब,
तेरी विजय का शंखनाद होगा।
नतमस्तक होंगे वे सभी,
तेरा भाल सबसे ऊँचा होगा।
किंतु वहाँ तू रूकना नहीं,
तेरी मंज़िल वो नहीं,
तू अभी आगे और पग बढ़ाएगा,
तेरा हर बढ़ता पग बस यही दोहराएगा,
कि तू सही है याद रख।।

मनीष कुमार (XII - A)

सबसे सुंदर चौदह साल

मैं इस विद्यालय में कक्षा L.K.G. से पढ़ रहा हूँ और अब मुझे यहाँ पढ़ते हुए 14 साल पूरे होने जा रहे हैं, इन 14 सालों में मेंने यहाँ रहकर यह सीखा कि किसी छात्र के अंदर छिपी प्रतिभाओं को बाहर लाने में विद्यालय का कितना अहम योगदान होता है। मुझे आज भी याद है कि मैं II क्लास में था तब हमारी ड्राइंग विषय की टीचर ने मेरे द्वारा ड्राइंग की कॉपी में बनाए गए गुलाब के फूल को देखकर पूरी क्लास में तालियाँ बजवायी थीं और मेरी बहुत तारीफ भी की तब से मुझे ड्राइंग का ऐसा जूनून चढ़ा कि ड्राइंग मेरा प्रिय

विषय बन गया तब से लेकर अब तक में अपने इस हुनर के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बन रहा हूँ। हो सकता है यदि मेरे इस हुनर को लेकर मेरी सराहना नहीं की जाती तो मुझे शायद अपनी इस प्रतिभा के बारे में पता ही नहीं चलता जिसके लिए मैं सभी टीचर्स का धन्यवाद करता हूँ। ड्राइंग के साथ-साथ हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान भी मेरे प्रिय विषय रहे जिनको प्रिय बनाने में मेरे टीचर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा जब भी मुझे किसी विषय को पढ़ने में दिक्कत आयी तब-तब मेरे टीचर्स ने मेरी सहायता की। इस विद्यालय में मुझे पढ़ाई के साथ - साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भाग लेने का मौका मिला जिसके लिए मैं विद्यालय का सहृदय आभारी हूँ और अब मैं ये कहना चाहूँगा कि यदि भविष्य में मुझसे कभी पूछा गया कि मैंने अपनी सबसे सुंदर यादें कहाँ बिताई तो मेरे मुँह से सिर्फ एक ही जवाब आयेगा वो है "सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज"। अंत में मैं अपने अभिभावकों का धन्यवाद देना चाहूँगा कि उन्होंने मुझे इतने अच्छे विद्यालय में पढ़ने भेजा।

मनीष कुमार (XII - A)

चुटकुला

1. एक दिन एक आदमी की भैंस चोरी हो गई उसने अपने नौकर से कहा जाओ पुलिस थानें में रिपोर्ट लिखाकर आओ।

आदमी - चाँदनी रात थी, कुत्ते भौंक रहे थे, तारे चमक रहे थे। एक आदमी आया दीवार को तोड़कर भैंस को ले गया।

नौकर रिपोर्ट लिखाता है-चाँदनी रात थी, कुत्ते चमक रहे थे, तारे भौंक रहे थे। एक आदमी आया भैंस को तोड़कर दीवार उठा ले गया।

School Committees' Observations

सांस्कृतिक झलक

सत्र 2023-24 में विद्यालय में सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर सजी पालामट्टम जी के मार्गदर्शन में 'Cultural Committee' के द्वारा उचित प्रकार से हुए। जिसमें सभी अध्यापक व अध्यापिकाओं के संरक्षण में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इन सभी कार्यक्रमों का एक ही उद्देश्य था "विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना" इस सत्र में विद्यालय में अर्न्तविद्यालयी तार्किक प्रश्नोंत्तरी प्रतियोगिता व अर्न्तविद्यालयी फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन हुआ जिसमें अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया जिससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास हुआ। साथ में हमारे विद्यालय से अनेक छात्रों ने मीनू लाजरस मैंम व शिल्पी मैम के संरक्षण में रेन्बो डान्स काम्पटिशन में भाग लिया तथा लगातार दूसरी बार 'प्रथम स्थान' पर रहे। साथ ही हमारे विद्यालय के छात्रों ने डेरिक सर के नेतृत्व में Sport के कार्यक्रमों में भाग लिया तथा सफलता हासिल की। अत: हम कह सकते हैं कि इस सत्र के सभी कार्यक्रम सफल रहे।

Mrs. Meenu D. Lazarus, Mr. Vinod Swarup
Mrs. Shilpi Jain, Mrs. Vineeta Hora
Mr. Austin Anand Singh
(Cultural Committee)

अनुशासन का महत्व

"अनुशासन एकमात्र सीढ़ी है जिस पर कदम रखकर आप आगे बढेंगे तो सदैव उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे।"

अत: सेन्ट पॉल्स इंटर कॉलेज की अनुशासन कमेटी का भी लक्ष्य है कि विद्यालय मे विद्यार्थियों को अनुशासन का महत्व समझाकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना। एक अनुशासित छात्र ही भविष्य में अनुशासित समाज का निर्माण करेगा। आप सभी अभिभावकगणों से निवेदन है कि घरों में आप भी अपने बच्चों को अनुशासन में रखने का प्रयास करे क्योंकि अनुशासित छात्र की मजबूत नींव कभी डगमगाती नहीं।

धन्यवाद

Mr. N. K. Sharma, Mrs. Meenu Rathore
Mr. Derick Peter & Mrs. Minni Mehra
(Discipline Committee)

विद्यार्थी जीवन में खेल कूद का महत्व

खेल-कूद विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए बहुत ही लाभदायक है, क्योंकि यह शारीरिक और मानसिक विकास को सहायता प्रदान करता है। वे विद्यार्थी जो खेलों मे अधिक रूचि रखते हैं और खेलने में अच्छे हैं, वे अधिक सक्रिय और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। वे कार्य स्थल पर बेहतर अनुशासन के साथ ही नेतृत्व के गुणों को विकसित कर सकते हैं।

Mr. Derick Peter Paul (Sports Incharge)

परीक्षा का महत्व

विद्यालय में छात्रों के आई. क्यू. स्तर का निरीक्षण करने हेतु छ: महीने के अन्तराल पर वर्ष में दो बार परीक्षा करायी जाती है। यह परीक्षा प्रयोगात्मक, मौखिक, लिखित स्तर पर करायी जाती है।

परीक्षा भवन में छात्रों को बैठने की उचित व्यवस्था की जाती है तथा अध्यापकों की निगरानी में परीक्षा करायी जाती है। छात्रो को अपने - अपने क्रमांक (रोल नम्बर) प्रदान कर परीक्षा कक्ष में परीक्षा की समस्त सामग्री प्रदान की जाती है। परीक्षा भवन का वातावरण शान्तिपूर्ण व सुव्यवस्थित होता है। समय - समय पर प्रधानाचार्य व प्रधानाध्यापिका द्वारा परीक्षा भवन का अवलोकन

किया जाता है। सभी छात्र पूर्ण लगन व मेहनत के साथ परीक्षा लिखते हैं तथा अच्छे अंक प्राप्त करते हैं। प्रधानाचार्य जी के निर्देशन व मार्ग दर्शन के द्वारा ही हम वर्ष भर होने वाली दो बार की अर्द्धवार्षिक व वार्षिक परीक्षा सफलता पूर्वक पूर्ण करने व परीक्षा परिणाम के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर सजी पालामट्टम जी का आभार व्यक्त करते हैं।

सिस्टर ग्रेसी, श्री अखिल अहमद एवं श्री ग्रेगरी ग्रीनवुड

(Examination Committee)

संगीत विभाग

संगीत के माध्यम से अपनी भावनाओं को सरलता पूर्वक अभिव्यक्त किया जा सकता है साथ ही अपने विचारों को दुनियाँ के साथ साझा कर सकते हैं। संगीत का शिक्षा में अपना अलग और विशेष महत्व होता है इसके द्वारा मूड अच्छा, आसानी, से नींद आना, मानसिक तनाव कम होना, दर्द से राहत, एकाग्रता को बढ़ावा आदि कार्य में सहायक है। छात्रों को शुद्ध, शान्तिपूर्ण वातावरण व देश को अच्छा कलाकार देने के उद्देश्य से वर्षभर संगीत (गायन-वादन) कक्षा करायी जाती है।

सलीम खाँ

मीडिया विभाग

विद्यालय में वर्ष भर होने वाले सांस्कृतिक एवं खेल-कूद से जुड़े सभी कार्यक्रमों को एवं विद्यालय से सम्बन्धित उपलब्धियों तथा छात्रों की अदभुत प्रतिभाओं को उदाहरण रूप में समाज में प्रेषित करके समाज व देश के नव उत्थान करने की दृष्टि से विभिन्न समाचार पत्रों-अमर-उजाला, हिन्दुस्तान, व दैनिक जागरण के माध्यम से दर्शाया जाता है। जिससे विद्यालय के छात्रों के साथ-साथ अन्य विद्यालयों के छात्र व अन्य बच्चों को जागरूक किया जा सके। इसके माध्यम से नई उमंग, तकनीक व अन्य सांस्कृतिक परम्पराओं की जानकारी प्रदान करना ही मुख्य उद्देश्य है।

विभा शर्मा (अध्यापिका)

तकनीकी विभाग

विद्यालय की प्रतिदिन की होने वाली गतिविधियों को आप सभी अभिभावकों को अवगत कराने के उद्देश्य से विद्यालय की वेबसाइट ***stpaulsagra.in*** को प्रारम्भ किया गया है। हमें हर्ष है कि विद्यालय के छात्र वेबसाइट के माध्यम से विद्यालय की जानकारी व सूचनाएँ प्राप्त कर लाभान्वित हो रहे हैं। हमारा आप सभी अभिभावकों से अनुरोध है कि आप भी विद्यालय की वेबसाइट का प्रयोग करके अपने पुत्र की गतिविधियों व विद्यालय की उपलब्धियों से निरन्तर अवगत होते रहें। आपका सहयोग हमारे लिए सदैव सराहनीय है।

Mr. Peter, Mrs. Minni & Mr. Gregory

(Website)

Parent's View

Respected Father,

As per my view the school is good because teachers are hard working and of caring nature with every child/student. Teachers communicate regularly after class with every child parents. School environment is good and classes are neat and clean. Teachers are teaching well verbally which helps students how to learn speaking. Teachers involve students in extra curricular activities along with their studies and teach moral values which is important for every childs development. Teacher makes time table for lunch which develop good eating habits and I am happy to see improvement in my child your school is good & Teachers also.

Mrs. Pratima

(Parent)

Teachers' Column

सफलता

जिन्दगी तो सभी जीते हैं लेकिन कोई अच्छी जिन्दगी जीता है तो कोई कठिन। ये तो हमारे जीवन में चलता ही रहता है। कोई अपने जीवन में बहुत खुश है तो कोई बहुत दुखी भी है यही तो जीवन है, उतार - चढ़ाव तो हमारी जिन्दगी में आते ही रहते हैं।

जीवन में असफल वही होता है जो हालात से निराश होकर हार मान लेता है। लेकिन जो बार - बार प्रायस करते हैं वहीं सफल होते हैं जीवन में जब भी कोई संकट आए तो हमें धैर्य बनाए रखना चाहिए क्योंकि धैर्य के साथ संकट का समय व्यतीत किया जा सकता है। हम अपने आर्थिक, शारीरिक और मानसिक शक्ति के अनुसार ही अपना लक्ष्य बनाते हैं और जब हम उसे प्राप्त कर लेते हैं तो हमें एक जीत का एहसास होता है जो हमें सच्चा सुख देता है यही सफलता कहलाता है।

संगीता ओलविन रोबर्ट (अध्यापिका)

कुल का चिराग

बेटों से कम नहीं बेटियाँ

कुल का चिराग होते हैं बेटे,

तो घर को रौशन करती हैं बेटियाँ।

कुल का मान होते हैं बेटे,

तो घर का सम्मान होती हैं बेटियाँ।

जहाँ राकेश शर्मा सी ऊँचाई छूते हैं बेटे,

तो वही कल्पना चावला सी उड़ान भरती हैं बेटियाँ।

जहाँ भगतसिंह जैसे वीर होते हैं बेटे,

तो वही लक्ष्मीबाई सी वीरांगना होती हैं बेटियाँ।

जहाँ सत्यवादी हरिश्चन्द्र से दानी होते हैं बेटे,

तो वही सती अनुसुईया सी महादानी होती हैं बेटियाँ।

समय बदला, सोच भी बदलो, अब बेटों से

कम कहाँ होती हैं बेटियाँ।

इस नव युग सभ्य समाज में

बेटों से कदम से कदम मिलाकर चलती हैं बेटियाँ। .....

कुल का चिराग.....

चंचल उपाध्याय (अध्यापिका)

समय का मूल्य

इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम हर रोज दिन के चौबीस घण्टे व्यतीत तो कर रहे लेकिन हम इन चौबीस घण्टे का सही मूल्य भूल गये हैं। एक सवाल खुद से- क्या हम अपने समय का सदुप्रयोग कर रहे है? शायद नहीं। आजकल युवा अपना अधिकतर समय सोशल मीडिया पर बिता रहे है। क्या हमने एक बार भी कभी सोचा कि- जो समय हम सोशल साइट्स पर व्यतीत कर रहे क्या उससे हमें कुछ फायदा है? शायद नहीं। तो बिना देर किये हमें अपने इस कीमती समय को बर्बाद नहीं करना चाहिए और अपने समय का सदुप्रयोग करते हुए इसे पढ़ने में, कुछ अच्छी स्किल्स सीखने आदि पर इस्तेमाल करना चाहिए।

कायनात मिर्जा (अध्यापिका)

कर्म ही ईश्वर है

जीवन में सत्कर्म ही मनुष्य को बुलंदियों को छूने तथा सभी प्रकार की परिस्थितियों में सफल होने के लिए राम बाण औषधि के समान कार्य करते हैं। जीवन के हर क्षण में हम सत्कर्म करेंगे तो उसका प्रतिफल हमें उसी ही रुप में प्राप्त होगा। इस संदेश द्वारा मैं सभी छात्रों को प्रेरित करना चाहती हूँ कि आप सभी जीवन में सत्कर्म का मार्ग अपनाकर ही आगे बढ़े क्योंकि यदि बीज अच्छा है तो फसल स्वत: ही अच्छी होगी। जिन्दगी जीने का कोई छोटा या यूँ कहे कि शॉर्ट कट मार्ग नहीं होता। इसलिए आप सभी छात्र मेहनत व सत्कर्म द्वारा अपने जीवन में आगे बढ़े तथा ईश्वर पर पूर्ण विश्वास रखे।

श्रीमती मिन्नी मेहरा (अध्यापिका)

दवाब अनुचित है

ऊँचे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए माता-पिता तथा अध्यापकों द्वारा बच्चों पर डाला जाने वाला ''दवाब अनुचित है।''

'जीत सुनिश्चित हो तो अर्जुन बनना कोई कठिन कार्य नहीं परन्तु जब मौत सुनिश्चित हो तो तब अभिमन्यु जैसा साहस चाहिए' हमारे जीवन में अनेक ऐसी स्थितियाँ आती है जहाँ हम खुद को संभाल नहीं पाते और उन्हें समस्या मानने लगते हैं। हम इतिहास से सबक सीखते हैं, अतीत के पुराने सिक्के वर्तमान में नहीं चलाये जा सकते परन्तु इतिहास की जड़ों का मजबूत होना बहुत आवश्यक हैं जिससे वर्तमान में अतीत को दोहराना न पड़े। आजकल के माता-पिता और बच्चो को यह समझना होगा कि यदि एक बच्चा जो पिछले तीन-चार साल से यू0पी0 एस0सी की तैयारी कर रहा है परन्तु हर बार उसे नाकामयाबी का चेहरा देखना पड़ता है तो इसमें उस बच्चे का कोई दोष नहीं, क्योंकि शायद वह बच्चा उस उपाधि के लिए बना ही नहीं है। उसके जीवन का उद्देश्य तो कुछ और ही है। यह तीन-चार साल बहुत हैं एक नौजवान को कामयाबी तक पहुँचाने के लिए। आज इस देश में लाखों ऐसे बच्चे है जो चाहते कुछ हैं, करते कुछ हैं और शायद बन कुछ और ही जाते है। नजर नहीं सिर्फ नजरिया बदल दीजिए नजारे खुद बदल जायेंगे।

'' ईश्वर का दिया कभी अल्प नहीं होता,

जो टूट जाए वो कभी संकल्प नहीं होता,

हार से लक्ष्य को दूर ही रखना मेरे दोस्त,

जीत-हार का जीवन में,कोई विकल्प नहीं होता।''

पारूल शर्मा (अध्यापिका)

ये जिन्दगी न मिलेगी दोबारा

कर लो कुछ ऐसा काम,

हो जाये हमारे माता-पिता का नाम,

जिन्दगी हमारी भी हो जाये आसान,

क्यों न आज हम करे ऐसा इन्तजाम।

सोशल मीड़िया को नहीं बनायेंगे,

अपनी बर्बादी का सामान,

क्योंकि ये जिन्दगी न मिलेगी दोबारा

कर लो कुछ ऐसा काम।

बुलंद हो जाये आपके हौंसलों का काम,

जब मिले किसी को भी,

आपकी कामयाबी का पैगाम,

कर लो कुछ ऐसा काम।

लगे सभी को पहचाना सा नाम,
सफल हो जाये जिन्दगी के सारे काम,
मिल जाये आपको आपके कैरियर के इनाम,
तब लगे सही नसीहत का मिला था पैगाम
तभी तो बना पायेगे,
अपनी काबिलियत को अपना मुकाम,
कर लो कुछ ऐसा काम,
हो जाये सभी का सिर गर्व से ऊँचा,
जैसे है आसमान।

निशा द्यूते (अध्यापिका)

'All is flux'

Everything is temperary but it leaves behind something permanent. Such as three years back the Pandemic was on its peak and has left big scars in the life of everyone of us. Tragedy certainly cannot be justified as God's plan but can be an opportunity to create something new.Things your Teachers Notice but never tell you in class.

1. We've seen you growing up, from the stage where you didn't know how to wipe your nose to the stage where your think you're really cool. So acting smart in front of us just doesn't work!
2. You look and sound much more civilized when you speak in English because what you speak isn't even Hindi! It's an insult to the human tongue!
3. What we teach you in class is more important than you think! Trust me you will regret not being attentive in school throughout your life.
4. Cheating isn't cool! Dishonesty was, is and will always remain disgraceful!
5. your character is shaped by little habits. Get the little things in your life right, the big things will take care of themselves.
6. Knowledge brings confidence! Read! you will be sorry for not doing it later!
7. Though we may seem harsh, strict and indifferent at time the bottom line is We care! we do treasure you and remember you longer than you might ever know! No matter how much the world changes, no technology will ever be able to supplant the influence of a teacher in your life!

Good Luck and best wishes.

Mrs. Neha Khanna (Teacher)

हिन्दुस्तान खतरे में है

ना मुसलमान खतरे में है,
ना हिन्दू खतरे में है,
धर्म और मजहब से बँटता,
इंसान खतरे में है।,
नाम राम खतरे में है,
ना रहमान खतरे में है,
सियासत की भेंट चढ़ता,
भाईचारा खतरे में है।
ना कुरान खतरे में है,
ना गीता खतरे में है,
नफरत की दलीलों से,
इन किताबो का ज्ञान खतरे में है।
ना मस्जिद खतरे में है।
ना मंदिर खतरे में है,
सत्ता के लालची हाथों,
इन दीवरों की बुनियाद खतरे में है।
ना ईद खतरे में है,
ना दीवाली खतरे में है,
गैर मुल्कों की नजर लगी है,
हमारा सद्भाव खतरे में है।
धर्म और मजहब का चश्मा,
उतार कर देखो दोस्तों,
अब तो हमारा,
हिन्दुस्तान खतरे में है।
एक बनो, नेक बनो,
न हिन्दू बनो न मुसलमान बनो,
अरे-पहले ढंग से इंसान बनो।

मोनिका शर्मा (अध्यापिका)

विश्वास करो कर्म में

मैं निर्धनता हूँ,
तुम मुझे मिटाना चाहते है
या कुछ करके दिखाना चाहते हो,
पर तुम्हें प्रिय हो -
मैं तुम्हें प्रेम करती हूँ।
इसीलिए फटे पुराने कपड़े पहनते हो,
फैलाकर हाथ बाबूजी बाबूजी करते हो।
मैं तुम्हारा नसीब हूँ,
इसीलिए तुम्हारे करीब हूँ,
लेकिन तुम चाहों तो कीचड़ में कमल खिला सकते हो,

धरती आकाश मिला सकते हो।
मुझको समझो, श्रम को अपनाओ,
मैं तुम्हारी पाठशाला हूँ,
पढ़कर विश्वास करो कर्म में,
जाओ, उठो, जमाने को हिला दो,
इस दुनिया से अज्ञान के साथ मुझे भी मिटा दो।
देखो विश्वास बुला रहा है,
उगता सूरज तुम्हें राह दिखा रहा है।

शिप्रा गुप्ता (अध्यापिका)

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए।
माता -पिता से पहले आता
जीवन में सदा आदर पाता।
सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्त्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथदर्शक है जो
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता
कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर,
मन मे दबी है ये इच्छा,
काश मैं उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

ममता कन्नोजिया (अध्यापिका)

आत्मविश्वास

ये आसमां छिन गया तो क्या ?
नया ढूंढ लेंगे
हम वो परिंदे नहीं जो
उड़ना छोड़ देंगे।।
मत पूँछ हौंसले हमारे
आज कितने विश्रब्ध हैं,
एक नई शुरूआत, नया
आरम्भ तय है
माना अभी हम नि:शब्द है।
ये पारावर छूट गया तो क्या ?
नया सागर ढूंढ लेंगे
हम वो कश्तियाँ नहीं जो
तैरना छोड़ देंगे।।
कदम चलते रहेंगे
जब तक श्वास है
परिस्थिति से परे
स्वयं पर हमें विश्वास है,
एक रास्ता मिला नहीं तो क्या ?
नई राहें ढूंढ लेंगे
हम वो मुसाफिर नहीं जो
चलना छोड़ देंगे।।

रेखा पाल (अध्यापिका)

बात का सार

बात बस इतनी सी ही होती है
रूई सी, सुई सी
पर मामूली अनेक बातों में एक बात,
हम अपनी झल्लाहटों का बोझ
डाल हर बार बात में भी
दो सिरे खोज ही लेते हैं
और उसे ताउम्र सींचते रहते हैं
और इस हद तक कि हम उन सिरों को सींचते है,
कि बात से रिश्तों की बीच आई
दूरी झलकने लग जाती है।
रूई का अनावश्यक वजन देते हैं।
सुई के पैनेपन से एक दूसरे को
बात - बात पर चुभोते रहते हैं।
हमारे मन पर पड़ी चोटें बात - बात पर
रिश्तों को घायल करती रहती है।
धीरे - धीरे हर बात के साथ
और एक दिन यह घायल चीज बात
दम तो देती है, पर सुनो बात,
बस इतनी सी होती है
रूई सी, सुई सी,
बस बात इतनी सी होती है
रूई सी, सुई सी।

आरती शर्मा (अध्यापिका)

परीक्षा की सीख

परीक्षा के दिन जब पास आते हैं,
अच्छे -अच्छे परीक्षार्थी घबरा जाते हैं।
सोच-सोच कर परीक्षा की तारीख,
पाठ याद करना भूल जाते हैं।
मानो मेरी बात बनो सबसे होशियार,
परीक्षा से पहले ही कर लो अपना पाठ याद।
जब से शुरू हो स्कूल में पढ़ाई,
उस दिन से ही कर लो परीक्षा से लड़ाई।
रोज-रोज कर लो अपना पाठ याद,
हो जाओ परीक्षा के लिए पहले से तैयार,
फिर न पछताना पड़ेगा और न ही घबराना पड़ेगा
मन में अपने कर लो अडिग विश्वास
परीक्षा को देगे मात होंगे परीक्षा में कामयाब
और बनेंगे अच्छे इन्सान।।

अखिल अहमद (अध्यापक)

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता (जूनियर वर्ग)

चन्द्रयान-3 (प्रथम पुरस्कार)

प्रस्तावना-: चंदयान-3 के बारे में तो आपने सुन ही रखा होगा जी हाँ, यह वही चंद्रयान-3 है। जिसे भारत सरकार व भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा 14 जुलाई सन् 2023 को श्री हरी कोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ बल्कि आज से पहले भी भारत ने चाँद पर जाने तथा चाँद पर यान भेजने की अनेको कोशिश की हैं जिसमें कई बार भारत सफल तथा कई बार असफल भी रहा है।

जिसका एक उदाहारण चंद्रयान-2 भी है, चंद्रयान-2 को 2019 में एक सैटेलाइट के रूप में चंद्रमा पर भेजने की कोशिश की गई थी परंतु किसी खराबी के चलते वह चंद्रमा तक नहीं पहुँच पाया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख अध्यक्ष ''एस0 सोमनाथ तथा उनकी टीम व हमारे देश के प्रधानमंत्री ने इसे एक लक्ष्य माना है उनकी कामना यह थी कि ये यान अवश्य सफल होना चाहिए।

चंद्रयान-2 की तरह ही चंद्रयान-3 में भी एक रोवर लगा हुआ है जिसके ऊपर एक सोलर पैनल भी है।

वैज्ञानिकों द्वारा यह कहा गया है कि चंद्रयान-3 चंद्रमा के उत्तर या दक्षिण ध्रुव की तरफ उतरा है जहाँ प्लेटिनम का भंडार है।

यदि यह यान सफल होता है तो देशो में यान उतारने की सूची में भारत चौथे स्थान पर होगा।

यह अंतरिक्ष वैज्ञानिकों द्वारा कहा जा रहा है कि चंद्रयान-3 23 अगस्त सन् 2023 को चंद्रमा की सतह पर उतरेगा।

रूपरेखा- वैज्ञानिको ने कहा है ''कि चंद्रमा का एक दिन पृथ्वी पर 7 दिन के बराबर है तथा यह कहा गया है कि रोवर चंद्रमा के दिन यानि, हमारी पृथ्वी पर 2 हफ्ते तक कार्य करता है क्योंकि रोवर के सिर की तरफ एक सोलर पैनल लगा है कि सूरज की किरणें चंद्रमा पर लगातार 2 दिन तक पड़ेगी इसके बाद लगातार 2 दिन तक चंद्रमा पर सूर्य का प्रकाश नहीं पड़ेगा। इससे पहले भेजे जाने वाला चंद्रयान-2 चंद्रमा की धुरी तक जाते ही विस्फोट हो गया।

लेकिन चंद्रयान-3 को पूर्ण रूप से भारत के औजारो, मशीनों द्वारा बनाया गया है तथा यह पूर्ण रूप से भारतीय तकनीक द्वारा बनाया गया है। चंद्रयान-3 को पूर्ण रूप से बनने के लिए 15 साल की मेहनत लगी है 15 सालों की लगातार मेहनत व कार्य के बाद चंद्रयान-3 बना है।

मो0 अरशान VII A (Red House)

चन्द्रयान-3 (द्वितीय पुरस्कार)

चंद्रयान-3 जो हमारे देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इसे पूर्ण करने के लिए कितने वर्षो की मेहनत लगी है अगर नहीं तो आज हम इसी के बारे में बात करने वाले हैं। चंद्रयान मिशन की शुरुआत सन् 2008 में (ISRO) Iandian Space Research Organisation द्वारा शुरू किया गया था। 22 अक्टूबर 2008 में चन्द्रयान-1 को श्री हरिकोटा बेंगलुरू से लॉन्च किया गया। जब यह चन्द्रमा की परिक्रमा कर रहा था। तो मून इम्पैक्ट प्रोब के कारण चन्द्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तथा यह मिशन असफल हो गया था। परन्तु इसरो के वैज्ञानिकों ने हार नहीं मानी। और 22 जुलाई 2019 को चन्द्रयान-2 को श्री हरिकोटा बेंगलुरू से लॉन्च किया गया। इसके असफल होने के निम्न कारण कुछ इस प्रकार हैं:-

(1) चन्द्रयान-2 का लैंडर फिक्स 55 डिग्री से 410 डिग्री तक झुक गया था।

(2) चन्द्रमा की कक्षा में स्थापित होने से पहले ही इसका इसरो से सम्पर्क टूट गया।

(3) इसका इसरो से सम्पर्क तब टूटा जब यह लैंडिंग सतह से महज 400 मीटर की दूरी पर था। तथा यह मिशन भी असफल रहा। लेकिन कहते हैं न कि कोशिश करने वालों की हार नहीं होती, तो वैसा ही कुछ इसरों के वैज्ञानिकों ने कर दिखाया और 14 जुलाई 2023 को चन्द्रयान-3 को श्री हरिकोटा, बेंगलुरू से लॉन्च किया गया। और यह 23 अगस्त 2023 को शाम 6:04 मिनट पर चन्द्रमा पर उतरने में सफल रहा। इसरो यहीं तक नहीं रूकने वाला है इसरो का अगला मिशन अब आदित्य-एल-1 है जो सूर्य के बारे में

जानकारी प्राप्त करने बनाया जा रहा है।

मुख्य जानकारी

(1) इसरो की स्थापना 15 अगस्त सन् 1959 को विक्रम ए0 साराबाई ने की थी। इसका मुख्यालय बेंगलुरू में है।

(2) इसरो का पूरा नाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन है।

(3) भारत चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना।

(4) इसी के साथ भारत अंतरिक्ष एजेन्सी की सूची में नम्बर-4 पर आ गया है।

(5) इसरो के प्रथम अध्यक्ष विक्रम ए0 साराबाई थ।

(6) इसरो के वर्तमान अध्यक्ष एस0 सोमनाथ जी हैं।

(7) चन्द्रमा पर हीलियम-3 नामक एक रासायनिक तत्व पाया जाता है जिसकी कीमत अरबों डॉलर है अगर इसरो को यह मिल जाता है तो दुनिया में 250 वर्षो तक ऊर्जा की कमी नहीं रहेगी।

हिमान्शु VII A (Yellow House)

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता (सीनियर वर्ग)

चन्द्रयान-3 (प्रथम पुरस्कार)

जब चंद्रयान-2 का मिशन असफल रहा तब इसरो को काफी ज्यादा आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। लग रहस थ कि शायद अब इसरो का यह मिशन आगे नहीं चलेगा लेकिन 14 जुलाई, 2023 को इसरो ने श्री हरिकोटा से चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक लाँच किया। इस मिशन का उद्देश्य था कि विक्रम लैंडर को सफलतापूर्वक चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारना, जहाँ आज तक कोई भी अंतरिक्ष यान नहीं उतारा गया था। विक्रम लैंडर की चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारकर वहाँ प्रज्ञान शेवर के द्वारा वहाँ की सतह की जाँच करना है। वैसे चाँद मिशन 6 प्रकार के होते है (1) फ्लाईबाई मिशन (2) ऑर्बिटर मिशन (3) इंपैक्ट मिशन (4) लैंडर मिशन (5) रोवर मिशन (6) मानव मिशन। चंद्रयान-3 एक रोवर मिशन है। चंद्रयान-2 का मिशन असफल रहा। यह मिशन इस कारण से किया जा रहा है कि जो उद्देश्य चंद्रयान-2 नहीं कर पाया वह इस मिशन में चंद्रयान-3 द्वारा करना था। चंद्रयान-2 मिशन में विक्रम लैंडर को चांद पर लैंड करना था लेकिन वह लैंड करने में असफल रहा और चांद पर क्रैश हो गया। इस बार चंद्रयान-3 के मिशन में कुछ संशोधन किये गये जैसे

(1) लैंडर की लैडिंग लेग्स को मजबूत किया गया।

(2) इसके फियूल टेंक को बड़ा किया गया जिससे कि यह चांद की कक्षा में अधिक समय तक उड़ सके।

(3) 23 अगस्त 2023 को भारतीय समयानुसार शाम 06:04 पर चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारा। इसके उतरने के साथ ही भारत चौथा देश बना जिसने चांद पर सफलतापूर्वक लैंड किया तथा साथ ही भारत पहला देश बना जिसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैंड किया। यदि बात की जाये कि विक्रम लैंडर को 23 अगस्त को ही क्यों उतरा गया तो इसका कारण यह है कि चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर 14 दिन का दिन और 14 दिन की रात होती है तथा चाँद पर रात के समय तापमान -232°C से भी नीचे गिर जाता है। इतने कम तापमान पर यान का कोई भी यंत्र काम नहीं कर सकता इसलिए इसरो के प्रमुख एम0 सोमनाथ ने यह कहा था कि 'यदि यान 23 अगस्त को लैंड नहीं कर पाता है तो हम इंतजार करेंगे और सितंबर माह को उतारेंगे। चंद्रयान-2 के मिशन को 'आधा सफल' भी मान सकते है क्योंकि उसका ऑर्बिटर आज भी चांद के ऑर्बिट में घूम रहा है। इस कारण चंद्रयान-3 के मिशन के लिए कोई भी ऑर्बिटर का इस्तेमाल नहीं किया गया। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर के कारण चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर के लिए उतरने के लिए स्थान का पता लगाया गया था। चंद्रयान-2 के लिए 500x500 मीटर को लैंडिग एरिया चुन गया था लेकिन इस बार चंद्रयान-3 के लिए 4 किमी. x 2.4 किमीं को लैडिंग एरिया चुना गया है। इस बार भी चंद्रयान-3 में 3 module है। (1) Lander Module (2) Rover module और (3) Propulsion Module बात करें Lander module की तो इसका कार्य सफलतापूर्वक चांद पर लैंड करना है। Rover module का कार्य चांद की सतह पर चलना व वहाँ की सतह की जांच करना है Propulsion Module का कार्य यान को धरती के ऑर्बिट से चांद के ऑर्बिट तक पहुँचाना तथा चांद के ऑर्बिट से विक्रम लैंडर को चांद की सतह पर भेजना है। चंद्रयान-2 की तरह ही चंद्रयान-3 के लैंडर का नाम 'विक्रम' तथा रोवर का नाम 'प्रज्ञान' रखा गया है। विक्रम लैंडर का वजन 1750 किलो तथा रोवर का वजन 26 किलो है। चंद्रयान-3 के propulsion module में Shape (Spectro Polarimentry of Habitable planet Earth) नामक एक तंत्र लगा है जिसका कार्य Exoplanets या उनउपग्रहों का पता लगाना है जो हमारे और मंडल से बाहर स्थित है। प्रज्ञान रोवर पर भी 2 यंत्र लगे है (1) एल.आई.बी.एस. तथा (2) ए.पी.एक्स.एस. विक्रम लैंडर पर भी 4 यंत्र लगे है। (1) RAMBHA (2)Chaste (3) ILSA तथा (4) LRA। इस प्रकार चंद्रयान-3 में कुल 7 यंत्र लगे है। चंद्रयान-3 के लैंड होने से भार में जश्न का माहौल मनाया गया। अब प्रज्ञान रोवर 14 दिनों तक चांद पर रहकर वहाँ की सारी जानकारियाँ जुटाएगा जिससे हम अनेकों बातें जान सकेंगे। चंद्रयान-3 के लैंड होने को भारत की सबसे बड़ी जीत कहा जा सकता है। इसरो ने चंद्रयान-2 की असफलता के बाद वापसी कर चंद्रयान-3 के मिशन से भारत में उत्सव का माहौल बना दिया।

अंकित चौरसिया XII- A (Green House)

चन्द्रयान-3 (द्वितीय पुरस्कार)

'चंद्रयान-3' 'चंद्रयान-3' है क्या? ये क्यों लाँच किया गया। चन्द्रयान-3 भारत के इसरो (इण्डियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन) ने सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र श्री हरिकोटा आंध्रप्रदेश से 14 जुलाई सन् 2023 दोपहर 2:35 पर लाँच किया। ताकि यह पता लगाया जा सके कि चंद्रमा पर जीवन सम्भव है या नहीं। वहाँ खनिज है या नहीं। इसमें कुल 4 इंजन थे जिसमें मुख्य इंजन का नाम आई.सी.ई.-20 था। और यह सब इसरो को अध्यक्ष एस. सोमनाथ की उपस्थिति में हुआ। जिसमें एक रोवर प्रज्ञान रोवर' तथा एक लैंडर विक्रम लैंडर था इसमें एक तॉकित LVM3M4 भी था जो चन्द्रयान-2 लिये गये थे। प्रश्न ये आता है कि इसकी मुख्य विशेषता क्या थी? 'यह पूर्वत स्वदेशी था जिसमें कुल 615 करोड़ का खर्चा लगा। यह 140 करोड़ भारतीयों का गर्व बना'' और प्रधानमंत्री- ''श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा - ''यह पूरी मानव जाति के लिए गर्व की बात है''

''चन्द्रयान-3'' चाँद के 'दक्षिणी ध्रुव' पर सफलता पूर्वक उतरने वाला पहला भारतीय रॉकेट है चन्द्रमा पर जानेवाले- अमेरिका ओवियत संघ तथा चीन की सूची में 'भारत' का भी स्वर्ण' नाम लिख चुका है। यह दृढ़ संकल्प के बल पर ही चाँद पर पहुँच पाया है। यदि लेते भारतीय इसरो वैज्ञानिक दृढ़ निश्चय न लेते तो आज हम अपने देश पर गर्व नहीं कर पाते। और यही चन्द्रयान-3 23 अगस्त सन् 2023 में सांय 6:04 पर चन्द्रमा पर सॉफ्ट लैडिंग करता है इस प्रोजेक्ट में 250 करोड़ उपकरणों तथा बाकी पैसे इसकी लॉन्चिग में लगाया गया। चन्द्रयान-3 सच में भारत के लिए सफल है जो विश्व के सभी देशों से कम खर्च में यानि एक साधारण सी बॉलीवुड मूवी के समान खर्च से बनी है। तभी तो कहते है-

''अपने अटल संकल्प से बना है आज महान
भारत का गौरवगान है चन्द्रयान''
''पिता अत्रि मात अन सूया का सूत आज हुआ महान
भारत का गौरवगान है चन्द्रयान''
''नित नए कर खोज पर खोज करेगा भविष्य
का निर्माण भारत का गौरवगान है चन्द्रयान''
''पहला कदम नील ने धरा अन्त में रिचर का नाम
भारत का गौरव गान है चन्द्रयान''
'' 1-2 मी/सी से हुआ है जो गतिमान
भारत का गौरवगान है चन्द्रयान''
''दूरदर्शी नेतृत्व के कारण धरा विक्रम लेंडर का नाम
भारत का गौरवगान है चन्द्रयान''
''अमेरिका चीन रूस के तार में है भारत का स्वर्ण नाम
भारत का गौरवगान है चन्द्रयान''

अत: इस कविता के माध्यम से मैं यही बताना चाहता हूँ कि किसी प्रकार चंद्रयान अपने दृढ़ संकल्प के बल परा चंद्रमा पर पहुँचा। उससे दक्षिणी ध्रुव में जाकर सफलता का इतिहास रचा और हासिल किया। चंद्रयान-2 के अस्फलता के कारण भारत ने हार नहीं मानी अपने लक्ष्य से विचलित न होकर अपने लक्ष्य के प्रति हौंसला मजबूत किया और अपनी अटल इच्छा शक्ति के कारण सफलता प्राप्त की। अब यह चंद्रयान चाँद में खनिज व चट्टानों का पता विक्रम लैंडर की मदद से लगाएगा और आगे भविष्य में चाँद में जीवन संम्भव है या नहीं पर और खोज करेगा। सच में चंद्रयान भारत का गर्व है। और भारत का अभिमान है और यह 14 दिनों बाद निष्क्रिय हो जाएगा।

हर्ष पलवार XI - Sci. (Blue House)

चन्द्रयान-3 (द्वितीय पुरस्कार)

1. प्रस्तावना- चंद्रयान-3 का निर्माण चाँद पर खोजबीन करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो द्वारा चाँद पर भेजा गया तीसरा चंद्र मिशन है। यह चंद्रमान-2 की ही अगली कड़ी है।

2. चंद्रयान-3 का निर्माण - चंद्रयान-3 का निर्माण भारतीय अंतरिक्ष गया था। इसमें चंद्रयान-2 के समान एक लैंडर ओर एक रोवर लगाया गया था। परंतु इसमें ऑब्रिटर नहीं है। इसमें प्रॉप्यूशन मॉड्यूल: 2148 कि.मी के लैंडर मॉडयूल (विक्रम)1752 किग्रा का और रोवर (प्रज्ञान): 26 किग्रा का है। ऐसे ही विभिन्न उपकरणों को मिलाकर इसका निर्माण किया गया। जिससे इसका कुल वजन 3900 किग्रा हो गया।

3. दूरी का निवारण- पृथ्वी से चंद्रमा तक की दूरी 384000 किलोमीटर है जो कि बहुत ज्यादा है ओर चंद्रयान-3 का कुल वजन 3900 किग्रा है इनते अधिक वजन को इतनी अधिक दूरी तक ले जाने के लिए काफी ऊर्जा की आवश्यकता होगी जिसके लिए इसमें लाँच सुविधाओं के लिए 365 करोड़ रूपय का व्यय किया गया है। इसमें प्रॉप्यूशन मॉड्यूल 758 वाट के लैंडर मॉडयूल 738 वाट के और रोवर 50 वाट का प्रयोग किया। इसके दोनो ओर कास्टर भी लगाए गऐ थे।

4. उड़ान- चंद्रयान-3 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आंध्र प्रदेश के श्री हरि कोटा जिले के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के देश के प्रधानमंत्री और अन्य मुख्य नेताओं की उपस्थिति में 14 जुलाई 2023 के दिन दोपहर 2 बज कर 35 मिनट पर (2:35) पर चाँद तक के सफर के लिए बड़े सम्मान के रवाना किया गया।

5. चाँद तक कैसे पहुँचाया गया- चंद्रयान-3 को चाँद तक पहुँचाने के लिए बहुत सी गतिविधियाँ की गई। जिसमें कुछ मुख्य गतिविधियाँ इस प्रकार है 14 जुलाई के उड़ान के बाद 15 जुलाई

2023 के दिन इसमें से फास्टर फाइरिंग की गई जिससे यह पृथ्वी के दूसरे कक्ष में पहुँचा, 17 जुलाई के दिन ऑब्रिट मैन्वेयरिंग की गई जिससे यह पृथ्वी के तीसरे कक्ष में पहुँचे, 22 जुलाई के दिन ऑब्रिटिंग की गई जिससे यह चौथे कक्ष में पहुँचा और 25 जुलाई को पाँचवे कक्ष में पहुँचा। इसी प्रकार निरंतर 22 दिनों तक पृथ्वी के ऑर्बिटर में चक्कर लगाते-लगाते पृथ्वी के कक्ष से बहार निकल और बहार निकलकर 6 दिन तक चंद्रमा की ओर बढ़ा और 7 वें दिन चंद्रमा के ऑर्बिटर में चला गया।

6. लैडिंग- चंद्रयान-3 की लैडिंग बहुत ही जोखिम भरी थी कयोंकि इसे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैडिंग करनी थी। इसे पृथ्वी से गये हुए 40 वें दिन यह चंद्रमा की सतह के 100 ऊपर आकर इससे लैंडर अलग करवा दिया गया जिससे इसकी लैडिंग चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर 23 अगस्त के दिन 6 बजकर 4 आया जो चंद्रमा की विभिन्न जानकारियाँ हमारे देश भारत को भेज रहा है।

7. उद्देश्य - इसका उद्देश्य चंद्रमा पर लैडिंग करके भारत को विभिन्न जानकारियाँ प्रदान करना है इसका उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिग करना था जो कि सम्पूर्ण हो गया और अब यह हमें विभिन्न जानकारियाँ भेजेगा। यह चंद्रयान-2 की अगली कड़ी है क्योंकि चंद्रयान-2 चंद्रमा के कक्ष में तो सफलता पूर्वक पहुँच गया था। परंतु अंतिम समय में मार्गदर्शन सॉफ्टवेयर में खराबी आने के कारण वह सॉफ्ट लैंडिंग नहीं कर पाया। जिससे इसरो ने सॉफ्ट लैडिंग के सफल करने के लिए नए चंद्र मिश्न का प्रस्ताव रखा जिसे चंद्रयान-3 कहा गया।

8. उपधियाँ- इससे पहले तीन चंद्रयान चाँद पर पहुँच चुके है और अब भारत चाँद पर पहुँचकर अपना नाम चौथे नंबर पर लिखवा लिया है।

9. उपसंहार- भारत चाँद पर पहुँचकर अपने देश का नाम बुलंदियों तक ले गया है और इससे चाँद पर जाने के बहुत से फायदे है क्योंकि चाँद पर प्लेटीनम की मात्रा भी पायी गयी है जिसे भविष्य में भारत पर लाया जा सकता है। चंद्रयान-3 के चाँद पर पहुँचने पर पूरे भारत देश को सम्मान का पात्र बना दिया है।

दिपेश दिवाकर XI - A (Red House)

बच्चों को ये सिखाया जाना चाहिए कि कैसे सोचें, ना कि क्या सोचें

-मार्गरेट मीड

Current Affairs

यह पुरस्कार हमारे देश का उच्चतम नागरिक सम्मान है, जो कला, साहित्य और विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण सेवा के लिए तथा उच्चतम स्तर की लो सेवा को मान्यता देने के लिए प्रदान किया जाता है। इस सम्मान के अन्तर्गत 35 मिमी व्यास वाला स्वर्ण पदक दिया जाता है। पीपल के पत्ते के आकार वाले इस पदक के ऊपरी भाग में सूर्य और नीचे हिंदी भाषा में 'भारत रत्न' लिखा होता है। इसके पीछे की ओर शासकीय संकेत और आदर्श-वाक्य लिखे होते हैं। इसे सफेद फीते में डालकर गले में पहनाया जाता है। 13 जुलाई,1977 से 26 जनवरी,1980 के बीच यह पुरस्कार निलंबित रहा। भारत रत्न पुरस्कार की परंपरा 1954 में प्रारंभ हुई थी। सबसे पहला पुरस्कार प्रसिद्ध वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकटरमन को दिया गया था। तब से अनेक विशिष्ट जनों को अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता पाने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इस पुरस्कार को पाने वाले गैर भारतीय भी हैं, क्योंकि इसका कोई लिखित प्रावधान नहीं है कि भारत रत्न केवल भारतीय नागरिकों को ही दिया जाए। 2024 में भारत रत्न विजेता निम्नलिखित हैं-

1. कर्पूरी ठाकुर (राजनेता)
2. लाल कृष्ण अडवानी (पूर्व उप-प्रधानमंत्री)
3. चौधरी चरण सिंह (पूर्व प्रधानमंत्री)
4. पी.वी नरसिंहराव (पूर्व प्रधानमंत्री)
5. एम.एस. स्वामिनाथन (वैज्ञानिक)

पाँच राज्यों 2023 में नए मुख्यमंत्री बने

1. मोहन यादव (मध्यप्रदेश)
2. भजनलाल शर्मा (राजस्थान)
3. विष्णुदेव साय (छत्तीसगढ़)
4. ए. रेवंत रेड्डी (तेलंगाना)
5. लालदुहोमा (मिजोरम)

नोबेल पुरस्कार-2023

1. कैटलिन कारिको और ड्रयू वाइसमैन (चिकित्सा विज्ञान) (USA)
2. पियरे एगोस्टिनी (USA), फेरेंक क्रॉस्ज (Germany) और एनी एल हुइलियर (Sweden) (भौतिकी)
3. नरगिस मोहम्मदी (Iran) (शांति)
4. जॉन फॉसे (Norway) (साहित्य)
5. क्लॉडिया गोल्डिन (USA) (अर्थशास्त्र)

दौड़, ड्रिल में विद्यार्थियों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

शुक्रवार को मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बच्चे ● विनोद अग्रवाल

जासं, आगराः मोती लाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में शुक्रवार को वार्षिक खेलकूद दिवस का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। कार्यक्रम में प्राइमरी, जूनियर व सीनियर वर्ग की दौड़, ड्रिल, सामूहिक शारीरिक व्यायाम, नृत्य आदि गतिविधियों में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। रस्साकसी, साइकिल दौड़ मुख्य आकर्षण रहे।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार व प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। उद्घाटन मुख्य अतिथि व आगरा धर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष डा. राफी मंजलि, सेंट पीटर्स कालेज के प्रधानाचार्य फादर भास्कर जेसूराज, प्रभारी सेंट जोसफ गर्ल्स इंटर कालेज सिस्टर पाशा व स्कूल प्रधानाचार्य फादर सजी पीए ने किया।

खेलकूद दिवस पर विद्याथियों ने दिखाया दमखम

आगरा। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज मोती लाल नेहरू रोड का वार्षिक खेल-कूद समारोह रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रार्थना गीत के बाद विद्यालय मशाल को छात्र प्रमुख आर्यन धनगर के साथ वरुण, प्रिंस, हर्ष और अर्पित ने स्थापित किया। प्राइमरी, जूनियर और सीनियर विंग की खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने जमकर पसीना बहाया। मुख्य अतिथि आगरा धर्मप्रांत के महा धर्माध्यक्ष डॉ. राफी मंजली और सेंट पीटर्स के प्रधानाचार्य फादर भास्कर जेसुराज और विशिष्ट अतिथि सेंट जोसेफ गर्ल्स इंटर कॉलज की इंचार्ज सिस्टर पाशा थीं। कार्यक्रम में प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। संचालन प्रधानाचार्य फादर सजी पीए ने किया। संवाद

सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में स्पोर्ट्स डे के आयोजन में फ्लैग मार्च करते विद्यार्थी। अमर उजाला

सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज ने जीती खिताबी जंग

आगरा। सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज ने सेंट क्लेयर्स सीनियर सेकंड्री स्कूल को पेनल्टी शूटऑउट में 3-2 से पराजित कर लीनुस लाजरस मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट की खिताबी जंग जीत ली। सेंट जोंस डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस दौरान सेंट पीटर्स के प्रधानाचार्य फादर भास्कर जेसुराज, सेंट पॉल्स के प्राचार्य फादर सजी पालामट्टम, फादर मून लाजरस, एनके शर्मा, विशाल जैन, आरती पाहुजा, मीनू लाजरस आदि मौजूद रहे। संवाद

सेंट पॉल्स स्कूल में लीनुस मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ी व आयोजक। स्रोत संस्था

इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल आज

आगरा। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में लीनुस मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन शानदार मुकाबले खेले गए। क्वार्टर फाइनल में सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज, सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज, ... टीमें सेमी फाइनल में पहुंचीं। सेमीफाइनल और ...गे। संवाद

सेंट पीटर्स फुटबाल का चैंपियन

लीनुस मेमोरियल टूर्नामेंट में सेंट क्लेयर्स की टीम को हराया

खेल

जासं, आगराः मोती लाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में तीन दिवसीय लीनुस लाजरस मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट हुआ। सीजन-2 का पहला सेमीफाइनल मैच सेंट क्लेयर्स यूनिट-1 ने 3-1 से जीता। दूसरे सेमीफाइनल में सेंट पीटर्स कालेज 1-0 से विजेता रहा। फाइनल मुकाबला सेंट क्लेयर्स यूनिट-1 और सेंट पीटर्स कालेज के बीच खेला गया। फाइनल मुकाबले में सेंट पीटर्स कालेज पैनल्टी शूट आउट में 3-2 से टूर्नामेंट विजेता बना। सेंट जोंस के प्राचार्य डा. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने विजेता टीम को ट्राफी के साथ 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार दिया। रनरअप टीम को ट्राफी व छह हजार रुपये दिए गए। फादर जोस मालिकल और सेंट पीटर्स कालेज के प्राचार्य फादर भास्कर जेसुराज मौजूद रहे।

फुटबाल टूर्नामेंट की विजेता सेंट पीटर्स की टीम ट्राफी के साथ ● सौ. संस्था

सेंट क्लेयर्स ने सेंट जॉर्जेज को 5-0 से हराया

आगरा। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में शुक्रवार को लीनुस लाजरस स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। डीसीपी सिटी केशव चौधरी ने उद्घाटन किया। पहले मैच में सेंट क्लेयर्स स्कूल यूनिट-2 ने सेंट जॉर्जेज कॉलेज यूनिट-1 को 2-0 ... दूसरे मैच में सेंट क्लेयर्स स्कूल यूनिट-2 ने सेंट जॉर्जेज कॉलेज यूनिट-2 को 5-0 से, तीसरे मैच में डीपीएस ने सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज बी टीम को हराया।

CITY FOCUS/AAS PASS

INBRIEF

फुटबॉल में सेंट पीटर्स रहा विजयी

AGRA: मोती लाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय लीनुस लाजरस मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट-2 का आयोजन किया गया है. इसमें पहले सेमिफाइनल मैच सेंट क्लेयर्स यूनिट-1 3-1 से विजयी रहा. दूसरे सेमिफाइनल में सेंट पीटर्स कॉलेज 1-0 से विजयी रहा. फाइनल मैच में सेंट पीटर्स कॉलेज ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से विजयी होकर खिताब हासिल किया. सेंट जॉन्स कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने विजयी टीम को ट्रॉफी व 10 हजार रुपए नकद पुरस्कार व रनरअप टीम को भी ट्रॉफी व छह हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया. इस अवसर पर फादर जोस मालिकल, सेंट पीटर्स कॉलेज के प्रिंसिपल फादर भास्कर जेसुराज, सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल ...

तिलक लगाकर बच्चों की शुरू हुई दीक्षा

आगरा। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में नए सत्र के बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। चावल पर बच्चे के नाम का पहला अक्षर लिखवाया गया। इसके बाद शिक्षक उनका उन्हें हाथ पकड़कर कक्षा में ले गए। प्रधानाचार्य सजी पालामट्टम और प्रधान अध्यापिका सिस्टर ग्रेसी ने बच्चों को शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और साफ-सफाई का पाठ पढ़ाया। ब्यूरो

25 वर्ष की सेवा का किया सम्मान

मोती लाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में शिक्षक रजत जयंती कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित करते प्रधानाचार्य फादर सजी पालामट्टम ● सौ. संस्था

आगराः मोती लाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में शिक्षक रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कालेज के तीन वरिष्ठ शिक्षकों की 25 वर्ष की सेवा के लिए उनका सम्मान किया गया।

प्रधानाचार्य फादर सजी पालामट्टम ने शिक्षक नरेश कुमार शर्मा, ज्योति लुथरा और मीनू राठौर का सम्मान किया। विद्यार्थियों को मजदूर दिवस के बारे में जानकारी दी गई। कालेज में कक्षा एलकेजी से 11वीं तक में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले और शत-प्रतिशत उपस्थिति वाले विद्यार्थियों और 10वीं-12वीं में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना दी गईं। इस मौके पर सिस्टर ग्रेसी, सेंट पैट्रिक्स कालेज की प्रधानाचार्य सिस्टर लीना आदि मौजूद रहीं। वि.

शहर 30s

सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में सोमवार को छात्र परिषद का शपथ ग्रहण हुआ।

आर्यन और चेतन बने प्रमुख

आगरा। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में सोमवार को छात्र परिषद का शपथ ग्रहण हुआ। शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक फादर भाष्कर जेसुराज, प्रधानाचार्य फादर सजी पालामट्टम ने किया। उन्होंने नव निर्वाचित छात्र परिषद को संयम, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा के साथ-साथ कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की शपथ दिलायी। सीनियर वर्ग से आर्यन धनगर और प्राइमरी वर्ग से चेतन कर्दम को छात्र परिषद प्रमुख चुना गया। प्रधानाचार्य फादर सजी ने कहा कि आज का छात्र ही कल का भविष्य है। इन्हीं छात्रों के हाथों में देश की कमान होगी। छात्र परिषद में हाउस कैप्टन, कल्चरल कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन ने भी शपथ ली।

घटिया स्थित सेंट पॉल्स इंटर कालेज में स्पोर्ट्स मीट का आयोजन।

खेलों में दिखाया छात्रों ने दम

आगरा। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज के वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन शुक्रवार को किया गया। शुभारंभ आगरा धर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष डॉ. राफी मंजली, प्रधानाचार्य सेंट पीटर्स कॉलेज फादर भास्कर जेसुराज, सिस्टर पाशा और प्रधानाचार्य फादर सजी पीए ने किया। डॉ. राफी मंजली ने कहा कि खेल इंसान को अनुशासित, समयबद्ध और परिश्रमी बनाता है। हेड बॉय आर्यन धनगर, वरूण, प्रिंस, हर्ष पलवार और स्पोर्ट्स कैप्टन अर्पित राजौरिया ने परेड का आरम्भ किया। विजेताओं को प्रमाणपत्र, ट्रॉफी व मेडल दिए गए।

Admission Open!

St. Paul's Inter College

(U.P. Board)

New Session 2024-2025

for Admission in Class **Nursery** to **IX & XI**

forms available from 15th February

- कक्षा **Nursery** से कक्षा **1** तक जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
- अन्य सभी कक्षाओं के लिए मान्यताप्राप्त विद्यालय का **T.C.** अनिवार्य है।

Siddhant

Alok Chauhan
U.K.G

Tiger

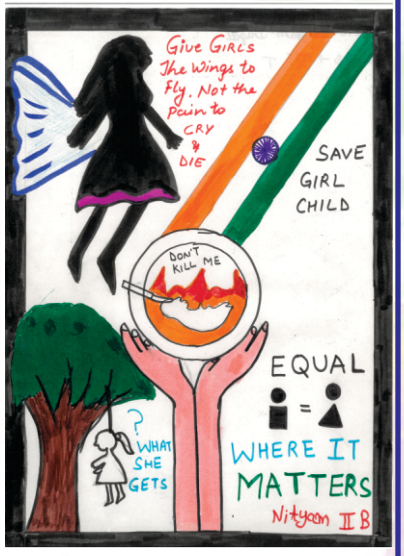

Give Girls The Wings to Fly. Not the Pain to CRY & DIE
SAVE GIRL CHILD
DON'T KILL ME
EQUAL
? WHAT SHE GETS
WHERE IT MATTERS
Nityam II B

Vansh 6-B

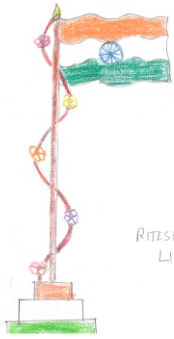

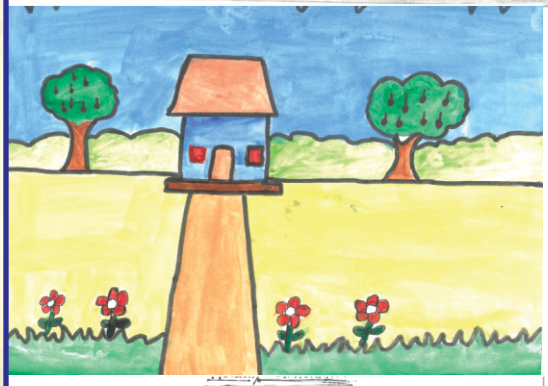

CLEAN PLANET
GREEN PLANET
USE ME

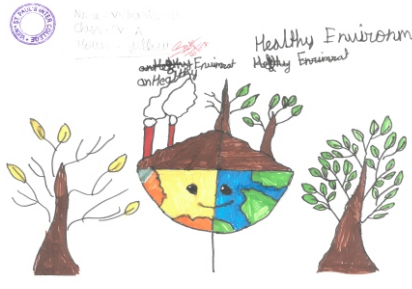

Healthy Environment

DOREMON

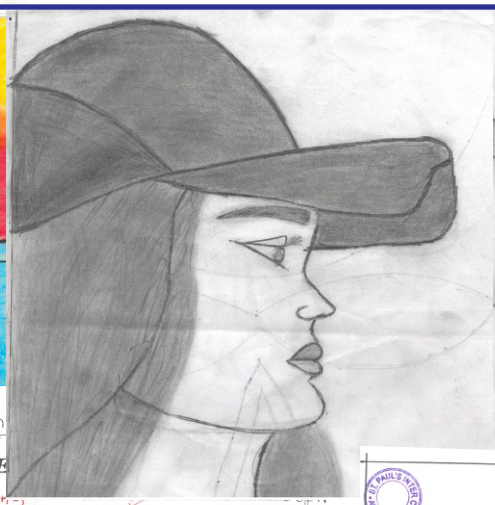

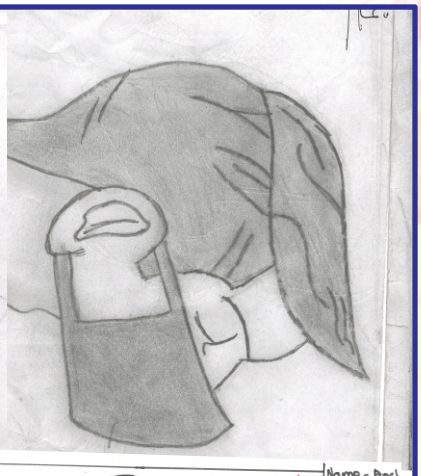

Ancillary Staff

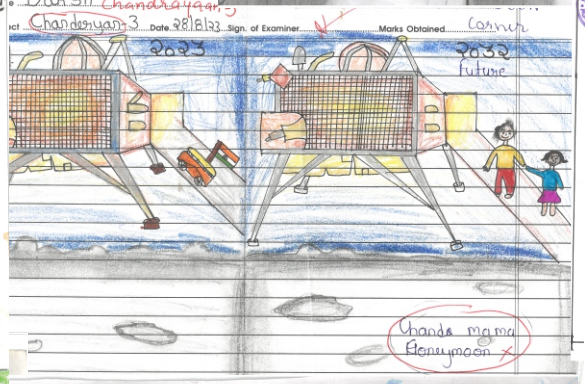

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

SR. AMALI GRACY
(Headmistress)

Class LKG

Class UKG

Class I-A

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

SR. AMALI GRACY
(Headmistress)

Class I-B

Class II-A

Class II-B

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

SR. AMALI GRACY
(Headmistress)

Class III-A

Class III-B

Class IV-A

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

SR. AMALI GRACY
(Headmistress)

Class IV-B

Class V-A

Class V-B

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

SR. AMALI GRACY
(Headmistress)

Class VI-A

Class VI-B

Class VII-A

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

SR. AMALI GRACY
(Headmistress)

Class VII-B

Class VIII-A

Class VIII-B

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

SR. AMALI GRACY
(Headmistress)

Class IX-A

Class IX-B

Class X-A

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

SR. AMALI GRACY
(Headmistress)

Class X-B

Class XI-A Sci.

Class XI-B Comm.

Class XII-A (Sci.)

1st Row Sitting (Left to Right): Aryan Dhangar, Mayank Kain, Piyush Kushwah, Jaynesh Gurjar, Bilal Qureshi, Mr. Naresh Kumar Sharma (Class Teacher) Fr. Saji P.A. (Principal) Hemant, Piyush Verma, Chirag Khandelwal, Tejasv Bansal, Krishna Khare

2nd Row Standing: Aman Kashyap, Manjeet Bhirag, Manish Kumar, Wahib Hussain, Nikhil Sagar, Mohd. Shuaib, Krishna Singh, Prateek Rathore, Ankit Chaurasia, Sahil Sharma, Sameer Sisodia, Arpit Rajoriya, Krishna Kumar

Class XII-B (Comm.)

1st Row Sitting (Left to Right): Govind Sharma, Arpit Singhal, Kavya Palwar, Aman Rathore, Azam, Mrs. Aarti Pahuja (Class Teacher) Fr. Saji P.A. (Principal) Jatin Chauhan, Karan Kumar, Rahul Manchaliya, Ganesh Shakya, Shivam Singh

2nd Row Standing: Noman, Ayush Balwani, Aditya Kumar, Dev Parewa, Sumit Kumar, Kunal Nagar, Prem Thakur, Hardik Soni, Kunal Sharma, Krrish Verma, Naman Soni, Harsh Rathore, Rahul Kumar, Hari Pal

3rd Row Standing: Mohd. Tosif, Mohd. Farhan, Deepanshu Bhojwani, Mohd. Adnan, Ram Kumar, Uzair Ahmed, Anuj Gupta, Tarun Kumar Sharma, Raj, Kush Khandelwal, Yuvraj Palwar, Ankit Kushwah

Shining Stars of St. Paul's

DEEPESH DIWAKAR
(X- 86.16%)

PRINCE GUPTA
(X- 86.16%)

SAMEER KUMAR
(X- 86.16%)

RAMANDEEP SINGH
(XII Science - 89.2%)

SHAHID KHAN
(XII Commerce - 73%)

सत्र 2022–23 में अपनी कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

KRISHNA MAHOR
(LKG 93%)

ADITYA KUMAR GOLA
(UKG- 96%)

ALTMASUDDIN
(I- 95.58%)

ARYA SHARMA
(II- 96.8%)

RAVI PRAKASH SHARMA
(III- 87.33%)

CHETAN KARDAM
(IV- 89.17%)

SHAURYA SHARMA
(V- 97.7%)

MOHD. SHOAIB
(VI- 81.44%)

KARAN RATHORE
(VII- 93.13%)

NAITIK SHARMA
(VIII- 82.69%)

DHURUV KUMAR
(IX- 87.25%)

MAYANK KAIN
(XI Science - 83.9%)

KARAN KUMAR
(XI Commerce- 78.9%)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

MOTILAL NEHRU ROAD - 282003, Mob.: 8439384452, E-mail.:sphsagra@rediffmail.com Website : www.stpaulsagra.in